



जवान लड़की की चूत चुदाई की शुरुआत-5

“मैं एक बार चुद चुकी तो मुझे समझ में आ गया था कि अपने अफसर से चुदकर अपना काम निकालो, आराम की नौकरी करो, प्रमोशन लो ! मैं अपने अफसर से पहली बार कैसे चुदी ! ...”

Story By: (pchopra)

Posted: Wednesday, December 5th, 2018

Categories: [ऑफिस सेक्स](#)

Online version: [जवान लड़की की चूत चुदाई की शुरुआत-5](#)

जवान लड़की की चूत चुदाई की शुरुआत-5

अब तक आपने पढ़ा कि मालती और श्यामा ने मुझे एक लड़के के लंड से चुदवा ही दिया था.

अब आगे..

अगले दिन श्यामा ने मुझसे कहा- बोलो क्या हाल हैं ?

मैंने कहा- वो तो तुमको पूरी तरह से पता है.. अब पूछने का क्या फ़ायदा.

उसने कहा- तो अब बोलो कोई इंतजाम करवा दूं या अभी नहीं ?

मैंने कहा- अब जब तुमने ही मुझे चुदवाया है, तो तुम जानो और तुम्हारा काम जाने. मेरी चूत में आग तुमने ही लगाई है, तो अब इसे बुझवाना भी तुम्हारा ही काम है. तुमने ही मुझमें असली लंड की चाहत भी जगा दी है, तो अब तुम ही मेरी चूत के लिए इंतजाम करो, जो भी करना है. फिर इस काम के लिए तो तुम मेरी गुरु हो.. और गुरु का कहना मानना ही पड़ता है.

उसने मेरे दूध मसलते हुए कहा- ठीक है जानी.. आज घर पर बोल दो कि ऑफिस से लेट आओगी, मैं तुमको किसी से मिलवा दूँगी.. और एक बात, जिससे मैं तुमको मिलवाऊँगी, उसे मैं तुमको अपना कज़िन बोलूँगी. तुम कोई ऐसी वैसी बात ना कर देना क्योंकि वो वही ऑफिसर है जिससे मैं कई बार चुदती हूँ, वो ही है, जिसने तुम्हारी रिपोर्ट भी बनाई है.

शाम को ऑफिस से छुट्टी होने के बाद वो मेरे पास आ कर बोली- मैं निकल रही हूँ तुम उसी होटल में 10 मिनट के बाद आ जाना, जहां उस दिन कॉफी पी थी.

मैंने कहा- ठीक है.

जब मैं वहां पहुँची तो देखा कि वो उसी ऑफिसर के साथ बैठी हुई कॉफी पी रही है, जिससे उसने मेरे लिए रिपोर्ट बनवाई थी.

मुझे देख कर वो बोली- अरे मीता, तुम यहां कैसे ?

मैंने कहा- यार, सर में दर्द हो रहा था तो सोचा कि एक कप कॉफी ही पी लूँ.

फिर मैंने ऐसे रिएक्ट किया जैसे कि मैंने उस ऑफिसर को देखा ही नहीं था. एकदम से उसकी तरफ देखते हुए बोली- अरे सर, आप यहां हैं ?

श्यामा ने कहा- इनको तो तुम जानती ही हो.. ये मेरे कजिन ब्रदर हैं मतलब मेरे मामा के लड़के हैं. मगर मैं कभी ऑफिस में किसी से अपने रिश्ते की बात नहीं करती क्योंकि कोई भी अपनी प्रॉब्लम सॉल्व करने के लिए कह सकता है.

श्यामा ने मुझसे कहा कि वो आज जगेश (उस ऑफिसर का नाम) को अपने घर पे ले जा रही है, अगर तुमको भी साथ चलना हो तो चलो.

मैंने कहा- नहीं.. आज नहीं तुम लोगों के साथ फिर कभी जरूर आऊंगी.. और आराम से बैठ कर बातें करेंगे.

फिर जगेश से इधर उधर की बातें होने लगीं.

श्यामा ने उससे कहा- भैया, यह नई नई नौकरी में आई है, इसका खयाल रखना वरना यहां की लड़कियां तो आपको पता ही है ना कि हर किसी लड़की का नाम किसी भी ऑफिसर के साथ जोड़ देती हैं. वैसे इसको कोई प्रॉब्लम नहीं होगी आप से मिलने के लिए.. मगर आप जानते हैं ना कि यहां सबकी नजरें गीध जैसी हैं. अच्छा होगा कि आप मेरे घर पर जब भी आएं तो मैं इसको भी बुला लिया करूंगी.

जगेश ने कहा- मीता जी, आप किसी तरह की चिंता ना करें.. कोई आपसे ना तो कुछ कह सकेगा.. ना ही आप पर कोई किसी तरह की उंगली उठा सकेगा. आपको कोई भी प्रॉब्लम हो तो आप श्यामा से कह कर मुझे बतला दिया कीजिए. अगर आप को कोई प्रॉब्लम हो तो मैं आप से कभी भी श्यामा के घर पर मिल सकता हूँ.

यह सुनते ही श्यामा ने मुझे अपने पैरों से मेरी पैरों को ठोकर मारते हुए आँख का इशारा

किया, जिसको मैं समझ गई और बोली- क्यों नहीं सर.. अगर आप बुलाएंगे, तो मेरे फ़र्ज है ना कि मैं उसी समय हाज़िर हो जाऊं क्योंकि आप भी तो मेरा ऑफिस के काम में ख्याल रखेंगे. फिर जैसे आप श्यामा के कज़िन हैं, तो मेरे भी हुए ना.

उसने कहा- क्यों नहीं क्यों नहीं..

इस मुलाकात के बाद मैंने श्यामा से कहा- अगर इज़ाजत हो तो मैं चलूं ?

उसने कहा- ठीक है.

रात को श्यामा का फोन आया और बोली- तुम्हारे लिए लंड का पक्का अरेंजमेंट हो चुका है. वो तुमको मेरे घर पर ही चोदा करेगा.. सच में यार बड़ा मस्त चोदता है. फिर संडे का तो प्रोग्राम होगा ही चुदाई का. इस तरह से वीक में तुमको दो बार असली लंड भी मिलेगा. ऑफिस का काम को माँ चुदाने दो. जब चाहो छुट्टी भी मिल जाएगी. मगर जिस दिन उससे चुदवाने का दिन हो, उस दिन अपनी चूत को पूरी तरह से साफ़ करके रखना.. वो मस्त होकर चूत चूसता है. चूत से जो भी पानी निकलेगा, वो पूरा हजम कर लेता है. हां बगलों के बाल भी पूरी तरह से साफ़ करके पूरी चिकनी चमेली बन कर आना.

मैंने उससे पूछा- तुम्हारे घर पर जब मेरी चुदाई होगी तो तुम कहां पर रहोगी ?

उसने कहा- तुम्हारे पास ही रह कर मैं भी देखूंगी कि वो तुमको कैसे चोदता है.

मैंने कहा- ठीक है. पहली शुरुआत कब से होनी है ?

उसने कहा- वो मैं तुमको कल बताऊंगी.

अगले दिन श्यामा ने मुझसे कहा- कल घर पर बोल कर आना कि तुम्हें बाहर काम से जाना है, तुमको सारी रात मेरे घर पर रहना है.

अगले दिन मुझसे उसने कहा- शाम को मेरे साथ चलना.

शाम को ऑफिस से निकले तो अभी ऑफिस से कुछ दूर ही निकल कर आए थे कि जगेश अपनी कार का पीछे से हॉर्न बजाने लगा. हम दोनों को वो कार में बिठा कर श्यामा के घर ले आया. उसने रास्ते से किसी होटल से खाना पैक करवा लिया था, जिसको घर पर पहुँच कर खाया गया.

उसने एक डीवीडी निकाल कर श्यामा के हाथ में दे दी. उसने आंखों से कुछ इशारा भी किया और श्यामा उठ कर उस डीवीडी को लिए दूसरे कमरे में चली गई और फिर जल्दी से वापिस भी आ गई.

उसने मुझे बाद में बताया था कि इस कमरे का टीवी दूसरे कमरे में रखे हुए डीवीडी प्लेयर से कनेक्ट है. उसमें वो डीवीडी लगाने गई थी.

कुछ देर इधर उधर की बातें होने के बाद श्यामा ने कहा- अब रात को सोने वाले कपड़े डाल लिए जाएं.

जगेश ने कहा- मैं तो सिर्फ एक चड्डी में ही सोता हूँ.

यह कहते हुए उसने मेरे सामने ही अपने पूरे कपड़े उतारने शुरू कर दिए. उसने एक छोटी से चड्डी छोड़ कर बाकी के सब कपड़े उतार दिए. उस चड्डी में उसका तना हुआ लंड बाहर निकल निकल कर आने को हो रहा था. उसका लंड चड्डी में भी आधा नंगा हो चुका था.

श्यामा ने कहा- मैं तो सिर्फ एक ब्रा और पेंटी में ही सोती हूँ.

इस तरह उसने भी सब कपड़े उतार दिए, सिवा ब्रा और पेंटी के.. जो बहुत ही छोटी सी थी, जिससे सिर्फ चूत का त्रिकोण ही छुपा रह सकता था. श्यामा की वो जगह जहां झांटें होती हैं वहां से वो नंगी थी क्योंकि उसकी जरा सी चड्डी उसकी झांटों वाली जगह को नहीं छुपा पा रही थी और वो बहुत ही चिकनी थी.

अब उन दोनों ने मुझे कहा, तो मैं सिर्फ एक नाइटी डाल कर सोती थी, जिसके अन्दर ना ब्रा और ना ही कोई पैंटी होती थी.

मैंने भी उसको डाल लिया. अब श्यामा ने कहा- चलो, कुछ देर टीवी में मूवी लगाते हैं.

उसने रिमोट को दूसरे कमरे की तरफ दिखा कर टीवी चलाया और उसके चलते ही सबसे पहले एक लंबे और मोटे लंड के दीदार होने शुरू हो गए. फिर चूत का नजारा पेश हुआ. कुछ देर इनको दिखाने के बाद दो नंगी लड़कियां और एक नंगा लड़का स्क्रीन पर आ गए. श्यामा मुझे बोल रही थी- देख ध्यान से इनको.

मैं चुपचाप फिल्म देख रही थी. अब श्यामा जगेश के सामने अपनी ब्रा खोल कर बैठ गई और वो उसके मम्मों को दबा दबा कर मुँह में लेने लगा.

मैंने श्यामा से मज़ाक में कहा- यह क्या हो रहा है... जगेश तो तेरा कज़िन भाई है ना. उसने कहा- तो क्या हुआ.. लंड और चूत का रिश्ता तो चोदने और चुदवाने का ही होता है. हम दोनों ही जब अकेले में होते हैं तो कोई रिश्ता तब नहीं सूझता, वो भी उस वक़्त जगेश का जब लंड खड़ा हो जाए और मेरी चूत गीली हो जाती हो. तुम भी क्या देख रही हो.. अपनी नाइटी उतार कर मेरे पास आ जाओ न.

जब मैंने कुछ नहीं किया, तब वो उठ कर मेरे पास आई और मेरे नाइटी जो आगे से खुलने वाली थी, उसे खोल कर उतार दिया.. जिससे मैं पूरी नंगी हो गई. उसने मुझे पकड़ कर जगेश के पास ले गई और मुझे उसकी गोद में बिठा दिया. जगेश तो इसी मौके की तलाश में था. उसने झट से मुझे अपनी बांहों में दबा कर मेरे मम्मों को दबाना शुरू कर दिया.

उसका लंड तो पहले से ही फड़फड़ा रहा था. उसने झट से मेरी चूत के मुँह पर रख कर बिने टाइम गंवाए अपने लंड को मेरी चूत के अन्दर कर दिया. उसने मुझे तब तक नहीं छोड़ा, जब तक उसका लंड अपना माल मेरी चूत में ना निकाल चुका.

आज चूंकि जगेश को मेरी नई चूत चोदने की जल्दी थी इसलिए उसने पहली बार में मुझे सीधे सीधे ही चोद कर मजा लेना तय किया था. उसने मुझसे कहा कि अगली मीटिंग में तुमको पूरा मजा मिलेगा.

जब मैं पूरी तरह से चुद चुकी, तब उसने अपना लंड बाहर निकाल कर मुझे छोड़ा. मगर अभी मैं पूरी तरह से उठी भी नहीं थी कि श्यामा ने अपनी चूत उसके मुँह पर रख कर चूत चुसवानी शुरू कर दी.

इस तरह पूरी रात चुदाई का पूरा नंगा नाच होता रहा और सुबह कोई 4 बजे जगेश अपने घर वापिस चला गया और हम लोग कुछ देर आराम करने के बाद सुबह 9 बजे उठ कर ऑफिस को चले गए.

मुझे श्यामा ने बताया कि अब हर शुक्रवार को ऐसे ही कार्यक्रम चलेगा और रविवार का तो तुमको पता ही है.

अब मैं भी इन दोनों की तरह से पूरी चुदक्कड़ बन चुकी थी, जो डिल्डो को चूत में डाल कर चूत को ठंडा करती थी और शुक्रवार और रविवार को असली लंड का पूरा मजा लेती थी. यह सब बहुत समय तक चलता रहा.

अब मैं इस असूल की बन गई हूँ कि लंड के बिना चूत उसी तरह से नहीं रह सकती, जैसे भूख लगने के बाद रोटी के बिना और प्यास लगने के बाद पानी के बिना नहीं रहा जा सकता है.

अगर आप मुझसे सहमत नहीं है तो आपको पूरा हक़ है, मगर मेरी सोच यही रहेगी.

मेरी सेक्स स्टोरी पर अपने विचार भेजने के लिए मुझे ईमेल करें.

pchoprap000@gmail.com

Other stories you may be interested in

हॉट भाभी से की चुदाई की शुरुआत-2

हॉट भाभी से सेक्स की मेरी इस कहानी के पहले भाग पड़ोसन भाभी से की चुदाई की शुरुआत-1 में आपने पढ़ा कि मेरी पड़ोसन भाभी डिम्पल मुझे बहुत हॉट लगती थी. एक दिन हमारे घर में कोई नहीं था, भाभी [...]

[Full Story >>>](#)

मुजफ्फरपुर में मेरी रानी रंडियों की तरह चुदी

मुजफ्फरपुर में मेरी नीतू रानी रंडियों की तरह चुदी, साली ने चूत खोल कर मजे लिए ... मस्त जवानी चढ़ी है कुतिया को. वैसे भी औरत जब लंडखोर हो जाए, तो बिना चुदे नहीं मानती. उसका गोरा बदन, भारी चूतड़ [...]

[Full Story >>>](#)

जवान लड़की की चूत चुदाई की शुरुआत-4

अब तक आपने पढ़ा था कि मैं अब मालती और श्यामा के साथ सेक्स के लेस्बियन खेल में मस्त होने लगी थी. अब आगे.. मालती ने अपना पर्स खोला और उसमें से एक पैकेट निकाला, जिसके साथ में एक रिमोट [...]

[Full Story >>>](#)

मन्जू की चूतबीती-1

मेरे प्यारे प्यारे दोस्तो, मेरा नाम मन्जू वर्मा है, और मैं अभी 56 साल की हूँ। मैं एक वृद्ध आश्रम में रहती हूँ। अब देखा जाए तो अभी मैं इतनी बूढ़ी भी नहीं हुई हूँ कि मैं किसी वृद्ध आश्रम [...]

[Full Story >>>](#)

हॉट भाभी से की चुदाई की शुरुआत-1

हाय फ्रेंड्स, मैं विककी आपके सामने मेरे जीवन की सच्ची कहानी लेकर आया हूँ जो मेरी और मेरी पड़ोसन हॉट भाभी के बीच की चुदाई की है. मैं इंदौर का रहने वाला हूँ. मेरे परिवार में हम 4 लोग हैं. [...]

[Full Story >>>](#)

